18E MHIN

# 2018

# HINDI

(MODERN INDIAN LANGUAGE)

**Full Marks : 100**

**Time : Three hours**

***The figures in the margin indicate full marks for the questions.***

## खण्ड - 'क'

. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5=5

गाँव की चौपाल का वह नीम बूड़ा,
पिता की भी याद से पहले खड़ा है।
सघन छाया में बिछी है खाट कितनी,
इन जड़ों पर बैठकर मैंने पढ़ा है।
बे गली-गलियार सँकरे और टेढ़े,
जहाँ चर्चे, आपसी झगड़े-बखेड़े।
खिलखिलाहट-हास्य से भरपूर पनघट,
वह उफनती जिन्दगी, पागल अखाड़े।
उधर वृक्षों से घिरा पोखर सुहाना,
भर दुपहरी नित जहाँ जुबकी लगाना।
और पोखर निकट शिव-मन्दिर पुराना,
शिखर जिसका आज भी लगता सुहाना।

*प्रश्न :*

(क) नीम के बहुत पुराना होने का कवि ने क्या प्रमाण दिया है ? 1

(ख) कवि ने नीम के प्रति अपना लगाव कैसे व्यक्त किया है ? 1

(ग) ग्रामीण जीवन का चित्रण कवि ने किस प्रकार किया है ? 1

(घ) 'वह उफनती जिन्दगी, पागल अखाड़े' कहकर कवि ग्राम्य जीवन की किन विशेषताओं की ओर संकेत कर रहे हैं ? 1

(ङ) पोखर के साथ कवि की कौन-सी स्मृतियाँ जुड़ी हैं ? 1

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15

एक व्यक्ति को पूर्णतया जानने के लिए जैसे उसके रूप, रंग, आकार, बोल-चाल, विचार, आचरण आदि से परिचित हो जाना आवश्यक हो जाता है, वैसे ही किसी जाति की संस्कृति को मूलतः समझने के लिए उसके विकास की सभी दिशाओं का ज्ञान अनिवार्य है। किसी मनुष्य-समूह के साहित्य, कला, दर्शन आदि के संचित ज्ञान और भाव का ऐश्वर्य ही उसकी संस्कृति का परिचायक नहीं, उस समूह के प्रत्येक व्यक्ति का साधारण शिष्टाचार भी उसका परिचय देने में समर्थ हैं।

साधारणतः एक देश की संस्कृति अपनी बाह्य रूपरेखा में दूसरे देश की संस्कृति से भिन्न जान पड़ती है। यह भिन्नता उनके देश-काल की विशेषता, बाह्य जीवन, उनकी विशेष आवश्यकताएँ तथा उनकी पूर्ति के लिए प्राप्त विशेष साधन आदि पर निर्भर है, आन्तरिक प्रेरणाओं पर नहीं। बाहर की विभिन्नताओं को पार कर यदि हम मनुष्य की संस्कार-चेतना की परीक्षा करें तो दूर-दूर बसे मानव-समूहों में आश्चर्यजनक साम्य मिलेगा। जीवन के विकास सम्बन्धी प्रश्नों के सुलझाने की विधि में अन्तर है, परन्तु उन प्रश्नों को जन्म देने वाली अन्तःचेतना में अन्तर नहीं।

निरन्तर प्रवाह का नाम नदी है। संस्कृति के सम्बन्ध में यह और भी अधिक सत्य है, क्योंकि वह ऐसी नदी है जिसकी गति अनन्त है। वह विशेष देश, काल, जलवायु में विकसित मानव-समूह की व्यक्त और अव्यक्त प्रवृत्तियों का परिष्कार करती है और उस परिष्कार से उत्पन्न विशेषताओं को सुरक्षित रखती है।

*प्रश्न :*

(क) प्रस्तुत गद्यांश का एक शीर्षक लिखिए।



(ख) 'साम्य' और 'आन्तरिक' शब्द के विपरीतार्थक शब्द लिखिए। 1

(ग) 'मानव' शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए। 1

(घ) एक व्यक्ति को पूर्णतया जानने के लिए किन बातों से परिचित होना आवश्यक है ? 1

(ङ) किसी जाति की संस्कृति को मूलतः समझने के लिए किस का ज्ञान अनिवार्य है ? 1

(च) कौन-कौन से तत्व संस्कृति के परिचायक है ? 2

(छ) एक देश की संस्कृति दूसरे देश की संस्कृति से भिन्न क्यों जान पड़ती है ? 2

(ज) दूर-दूर बसे मानव-समूहों में समानता के कारण क्या हैं ? 2

(झ) संस्कृति की तूलना नदी से क्यों की गई है ? 2

(ञ) संस्कृति के एक प्रमुख कार्य का उल्लेख कीजिए। 2

## खण्ड - 'ख'

निम्नलिखित विषयों में से ***किसी एक*** पर निबन्ध लिखिए : 10

(क) भारत की राष्ट्रीय एकता

[ एकता का अर्थ और महत्व — भारत में विभिन्नताएँ — अनेकता में एकता — राष्ट्रीय एकता के बाधक तत्व — एकता को बल कैसे मिले। ]

(ख) दहेज-प्रथा : एक अभिशाप

[ भूमिका — दहेज क्या है — दहेज बुराई क्यों है — दुष्परिणाम — उन्मूलन के उपाय — उपसंहार। ]

***प्रश्न :***

(क) कविता में किस प्रदेश का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है ?

(ख) कवि किस प्रकार का जन-जीवन देखने को इच्छुक है ?

(ग) 'ठंडी होती दिनचर्या' और 'जीवन की गर्माहट' का भाव स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'झारखंडीपन' का अभिप्राय बताइए।

8. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** काव्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) पग घुँघरू बाँधि मीरां नाची
मैं तो मेरे नारायण सूं, आपहि हो गई साची
लोग कहै, मीरा भइ बावरी ; न्यात कहै कुल नासी
विष का प्याला राणा भेज्या, पीवत मीरां हाँसी
मीरां के प्रभु गिरधर नागर, सहज मिले अविनासी

***प्रश्न :***

*(i)* लोग मीरां को 'बावरी' क्यों कहते हैं ?

*(ii)* मीरां किसके प्रेम में अनुरक्त थी और क्यों ?

*(iii)* मीरां के कुल-बंधुओं ने उसके साथ कैसा व्यवहार किया ?

(ख) निकल रहा है जलनिधि-तल पर दिनकर-बिंब अधूरा।
कमला के कंचन मन्दिर का मानो कांत कँगूरा।
लाने को निज पूण्य-भूमि पर लक्ष्मी की असवारी।
रत्नाकर ने निर्मित कर दी स्वर्ण सड़क अति प्यारी॥

***प्रश्न :***

*(i)* सूर्योदय को देखकर कवि के मन में कौन-सी कल्पना आती है ?



*(ii)* 'कमला के कंचन-मन्दिर' किसे कहा गया है ? 2

*(iii)* समुद्र-तल पर सूर्य की किरणें कैसी प्रतीत होती है ? 2

(ग) घर में विधवा रही पतोहू,
लछमी थी, यद्यपि पति घातिन,
पकड़ मँगाया कोतवाल ने,
डूब कुएँ में मरी एक दिन !

***प्रश्न :***

*(i)* किसान की पतोहू को 'पति घातिन' क्यों कहा गया है ? 2

*(ii)* कोतवाल ने विधवा पतोहू को थाने में क्यों बुलवाया ? 2

*(iii)* किसान की पतोहू कुएँ में क्यों डूब मरी ? 2

9. अधोअंकित काव्यांशों को पढ़कर उनके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : ***(किन्हीं दो)*** 3+3=6

(क) मैं जब पढ़ने लगता हूँ वह आ जाती है
खड़ी खड़ी चूपचाप सुना करती है.
उसे बड़ा अचरज होता है
— लेखक को पढ़ते देख चंपा को क्यों अचरज होता है ?

(ख) हे सजीले हरे सावन,
हे कि मेरे पुण्य पावन,
तुम न बरस लो वे न बरसें,
पाँचवे को वे न तरसें,
— प्रस्तुत पंक्तियों के जरिए कवि क्या कहना चाहता है ?

(ग) यहाँ दरख्तों के साये में धूप लगती है,
चलो यहाँ से चलें और उम्र भर के लिए
— दरख्तों के साये में धूप लगने के व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

(घ) हे मेरे जूही के फूल जैसे ईश्वर
मँगवाओ मुझसे भीख
और कुछ ऐसा करो
कि भूल जाऊँ अपना घर पूरी तरह
—यहाँ अपना घर भूल जाने का आशय क्या है ?

(ङ) सही होते हुए भी दब जावा — बुरा तो है
किसी जुगनु की लौ में पढ़ना — बुरा तो है
मुद्वियाँ भींचकर बस वक्त निकाल लेना-बुरा तो है
सबसे खतरनाक नहीं होता।
— कवि के अनुसार सबसे खतरनाक क्या है ?

10. निम्नांकित गद्यांशों को पढ़कर उनके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : ***(किसी एक)*** 8

(क) औसन दसरी बड़े बाबू की हैसियत वाले रमेश के लिए मोहन को अपना भाई-बिरादर बतलाना अपने सम्मान के विरुद्ध जान पड़ता था और उसे घरेलू नौकर से अधिक हैसियत वह नहीं देता था, इस बात को मोहन भी समझने लगा था। थोड़ी-बहुत हीला-हवाली करने के बाद रमेश ने निकट के ही एक साधारण से स्कूल में उसका नाम लिखवा दिया। लेकिन एकदम नए वातावरण और रात-दिन के काम के बोझ के कारण गाँव का वह मेधावी छात्र शहर के स्कूली जीवन में अपनी कोई पहचान न बना पाया। उसका जीवन बँधी-बँधाई लीक पर चलता रहा।

***प्रश्न :***

*(i)* मोहन की मन:स्थिति किस प्रकार की थी ? 2

*(ii)* रमेश मोहन के साथ नौकर जैसा व्यवहार क्यों कर रहा था ? 2

*(iii)* रमेश ने मोहन को कैसे स्कूल में भर्ती करवा दिया ? 2

*(iv)* मोहन स्कूल के वातावरण में पहचान क्यों न बना पाया ? 2



(ख) लेकिन किसानों से, जिनका नजरिया महदूद था, मैं इस बड़े देश की चर्चा करता, जिसकी आजादी के लिए हम लोग कोशिश कर रहे थे और बताता कि किस तरह देश का एक हिस्सा दूसरे से जुदा होते हुए भी हिन्दुस्तान एक था। मैं उन मसलों का जिक्र करता, जो उत्तर से लेकर दक्खिन तक और पूरब से लेकर पश्छिम तक, किसानों के लिए एक-से थे, और स्वराज्य का भी जिक्र करता, जो थोड़े लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के फायदे के लिए हो सकता था।

***प्रश्न :***

*(i)* लेखक ने किसानों के नजरिए को महदूद क्यों कहा है ? 2

*(ii)* लेखक किसानों से किन मुद्दों पर बात करता था ? 2

*(iii)* किसानों के कौन-से मुद्दे सारे देश में एक समान थे ? 2

*(iv)* लेखक के अनुसार कौन-सी बात सभी के फायदे के लिए हो सकता था ? 2

(ग) फिल्म का काम आगे भी ढाई साल चलने वाला है, इस बात का अंदाजा मुझे पहले नहीं था। इसलिए जैसे-जैसे दिन बीतने लगे, वैसे-वैसे मुझे डर लगने लगा। अपू और दुर्गा की भूमिका निभाने वाले बच्चे अगर ज्यादा बड़े हो गए, तो फिल्म में वह दिखाई देगा ! लेकिन मेरी खुशकिस्मती से उस उम्र में बच्चे जितने बढ़ते हैं, उतने अपू और दुर्गा की भूमिका निभाने वाले बच्चे नहीं बढ़े। इंदिरा ठाकरुन की भूमिका निभाने वाली अस्सी साल उम्र की चुन्नीवाला देवी ढाई साल तक काम कर सकी, यह तो मेरे सौभाग्य की बात थी।

***प्रश्न :***

*(i)* समय के साथ लेखक के मन में कौन सा डर समाने लगा ? 2

*(ii)* लेखक किस बात को अपनी खुशकिस्मती मानता है ? 2

*(iii)* इंदिरा ठाकरुन के सन्दर्भ में लेखक किस बात को अपना सौभाग्य मानता है ? 2

*(iv)* निबंध तथा लेखक का नाम लिखिए। 2

11. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3+3+3+3=12

(क) 'मियाँ नसीरुद्दीन' को नानबाइयों का मसीहा क्यों कहा गया है ?

(ख) लेखक को लॉर्ड कर्जन का शासन क्यों पसन्द नहीं आया ?

(ग) इतिहास में स्पीति का वर्णन क्यों नहीं मिलता ?

(घ) नेहरू जी किसानों को दुनिया-भर की बातें किस कारण समझा सके ?

(ङ) धनराम को मोहन के किस व्यवहार पर हैरानी होती है और क्यों ?

(च) 'रजनी' शीर्षक एकांकी से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ?

(छ) 'जामुन का पेड़' पाठ के आधार पर सरकारी कर्मचारियों के कार्य-शैली पर प्रकाश डालिए।

**खण्ड - 'घ'**

**पूरक पुस्तक ( वितानः भाग-I )**

12. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×2=4

(क) लता और नूरजहाँ के स्वरों में मुख्य अन्तर क्या है ?

(ख) 'कुँई' निर्माण करते समय चेजारो अपने सिर की रक्षा कैसे करते हैं ?

(ग) तातुश को घर में काम करने वाली महिला ने बेबी को गाली क्यों दी थी ?



13. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के उत्तर दीजिए : 3+3=6

(क) शास्त्रीय तथा चित्रपट संगीत में क्या अन्तर है ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) वर्षा न होने पर भी कुँई में पानी कहाँ से आता है ?

(ग) जब लेखिका ने अपनी रचना अपने नाम के साथ पत्रिका में छपी देखी तो उसकी मन की स्थिति कैसी हुई थी ?

14. कुमार गन्धर्व ने लता की गायकी की किन विशेषताओं को उजागर किया ? 5

***अथवा***

पाठ के आधार पर कुँई निर्माण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

***अथवा***

बेबी हालदार को लेखन कार्य के लिए किन-किन लोगों ने उत्साहित किया था ?

———×———